भई रे सब रे मतलब वाला लोग अब मोहे खबर पडी

भई रे सब रे मतलब वाला लोग,
अब मोहे खबर पडी,
भई रे सब रे स्वार्थ वाला लोग,
अब मोहे खबर पडी।bd।

एक डाल दो पंछी बैठा,
बोले हरी हरी,
टूटी डाल ने उड गया पंछी,
आ केडी प्रीत करी,
अब मोहे खबर पडी,
भई रे सब रे स्वार्थ वाला लोग,
अब मोहे खबर पडी।bd।

जब तक तेल दिये मे रेवे,
तब तक ज्योति जली,
खुट गया तेल ने बुझ गयी बतीया,
घोर अंधार भई,
अब मोहे खबर पडी,
भई रे सब रे स्वार्थ वाला लोग,
अब मोहे खबर पडी।bd।

जब तक बेल रेवे घानी मे,
तबतक कदर करी,
बूढा हुआ पचे सारनी पुचे,
भटके अली रे गली,
अब मोहे खबर पडी,
भई रे सब रे स्वार्थ वाला लोग,
अब मोहे खबर पडी।bd।

जेतु चावे जग में जीणो,
भजले हरी हरी,
अरे प्राणी भजले हरी हरी,
जीवडा भजले हरी हरी,
कहत कबीर सुनो भई साधु,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दुनिया है लालच सु भरी,
अब मोहे खबर पडी,
भई रे सब रे स्वार्थ वाला लोग,
अब मोहे खबर पडी।bd।

भई रे सब रे मतलब वाला लोग,
अब मोहे खबर पडी,
भई रे सब रे स्वार्थ वाला लोग,
अब मोहे खबर पडी।bd।

स्वर – मोईनुद्दीन जी मनचला।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com